भारतीय संस्कृति के विकास में आल्वार संतों तथा अष्टछाप कवियों का योगदान
(विशेष सन्दर्भ : पेरियाल्वार और सूरदास का तुलनात्मक अध्ययन)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की पीएच.डी.(हिंदी) की उपाधि हेतु

प्रस्तुत शोध-प्रबंध

शोध-निर्देशक:
डॉ. अरविन्द सिंह तेजावत

शोधार्थी:
मनीषा
अनुक्रमांक: 1354

हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग
भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति एवं विरासत संस्थान
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़-123029

पंजीयन संख्या - CUH/20/2011

वर्ष - 2016